आधुनिक शिक्षा के लिए ग्रहणीय तत्व
(ACCEPTABLE FEATURES FOR MODERN EDUCATION)

मुस्लिम-शिक्षा में हमें ऐसे अनेक उपयोगी तत्त्व मिलते हैं, जो आधुनिक भारतीय शिक्षा के लिए ग्रहणीय हैं; यथा—

1. व्यावहारिक शिक्षा (Practical Education)—आज के वैज्ञानिक युग में शिक्षा को आध्यात्मिक विकास और मोक्ष प्राप्ति का साधन बनाना सर्वथा अनुचित है। अतः यह आवश्यक है कि जिस प्रकार मुस्लिम शिक्षा में व्यावहारिक विषयों को महत्त्व दिया जाता था, उसी प्रकार भारत की आधुनिक शिक्षा में भी दिया जाय। व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त करके छात्र—समाज के उपयोगी सदस्य बन सकते हैं और साथ ही अपनी जीविका का सरलता से उपार्जन भी कर सकते हैं।

2. निःशुल्क शिक्षा (Free Education)—मुस्लिम-शिक्षा, प्राथमिक और उच्च—दोनों स्तरों पर निःशुल्क थी। आधुनिक भारतीय शिक्षा, प्राथमिक स्तर पर तो निःशुल्क है, पर माध्यमिक और उच्च स्तरों पर नहीं है। अतः इन स्तरों पर शिक्षा को निःशुल्क बनाया जाना

Scanned with CamScanner

चाहिए। इसका मुख्य कारण यह है कि आज की शिक्षा इतनी महँगी हो गई है कि अनेक छात्र माध्यमिक और विशेष रूप से उच्च शिक्षा के लिए लालायित होने पर भी उसे प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं।

यह तथ्य निर्धन परिवारों के बालकों के विषय में विशेष रूप से सत्य है। उच्च शिक्षा को निःशुल्क बनाने से राज्य-सरकारों का व्यय अवश्य बढ़ जायेगा, पर इससे हित भी अवश्य अधिक होगा। इसकी पुष्टि में यह कारण प्रस्तुत किया जा सकता है कि देश को प्रतिभाशाली व्यक्ति उपलब्ध हो सकते हैं, जो प्रखर बुद्धि वाले होते हुए भी उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए अपने को असमर्थ पाते हैं।

3. व्यक्तिगत सम्पर्क (Individual Contact)—मुस्लिम युग के अधिकांश मदरसों में शिक्षक और छात्र साथ-साथ रहते थे। फलस्वरूप, उनमें व्यक्तिगत सम्पर्क स्थापित हो जाता था। इस सम्पर्क के माध्यम से शिक्षक, छात्रों में विशिष्ट गुणों का समावेश करते थे।

आधुनिक भारतीय शिक्षा में व्यक्तिगत सम्पर्क नाम की कोई चीज नहीं है। यही कारण है कि छात्रों में उच्छृंखलता और अनुशासनहीनता की निरन्तर वृद्धि होती चली जा रही है। इसको समाप्त करने और छात्रों को चारित्रिक उन्नयन करने के लिए, शिक्षकों से उनका निकट और व्यक्तिगत सम्पर्क होना परम आवश्यक है। अतः मुस्लिम शिक्षा में पाये जाने वाले शिक्षकों और छात्रों के व्यक्तिगत सम्पर्क को आधुनिक भारतीय शिक्षा में समाविष्ट किया जाना अनिवार्य है।

4. शिक्षक की स्थिति में उन्नति (Elevation of Teacher's Status)—आधुनिक भारत में शिक्षक की स्थिति निम्न से निम्नतर होती चली जा रही है। इसके लिए आंशिक रूप से शिक्षक पर मुख्य रूप से समाज और राज्य उत्तरदायी हैं। इसका कारण यह है कि न तो शिक्षक को समाज में सम्मान प्राप्त है और न राज्य का संरक्षण। अतः आवश्यक है कि समाज और राज्य—दोनों ही उसके प्रति अपने दृष्टिकोण को परिवर्तित करें और उसकी स्थिति को समुन्नत बनाने में उद्योग करें। मुस्लिम युग में शिक्षक को छात्रों की भक्ति, समाज का सम्मान और राज्य का संरक्षण प्राप्त था। आधुनिक भारत में मुस्लिम-शिक्षा के इस तत्व को एकमत से स्वीकार किया जाना चाहिए।

5. धार्मिक व लौकिक शिक्षा का समन्वय (Synthesis of Religious & Secular Education)—आज के भौतिकवादी युग में लौकिक शिक्षा की असीम आवश्यकता है। किन्तु इस शाश्वत सत्य को विस्मृत नहीं किया जाना चाहिए कि धर्म—व्यक्ति के जीवन और चरित्र का प्रधान आधार स्तम्भ है। आधुनिक भारतीय शिक्षा की परिधि में से धर्म को बाहर निकाल कर इस आधार-स्तम्भ को हटा दिया गया है।

इसके कुत्सित परिणाम, भारत के प्रत्येक स्थान में देखने को मिल रहे हैं। अकारण झूठ बोलना, स्वार्थवश धोखा देना, निजहित के लिए लूटमार करना, काम-वासना की तृप्ति के लिए अबलाओं का अपहरण करना—ये सभी बातें धर्मविहीन शिक्षा की द्योतक हैं। इनके कारण आज के भारतीय अपने आदि पूर्वजों की बर्बर अवस्था की ओर अत्यन्त त्वरित गति से बढ़ रहे हैं। इससे उनकी रक्षा तभी की जा सकती है, जब मुस्लिम-शिक्षा का अनुकरण करके, आधुनिक भारतीय शिक्षा में भी धार्मिक और लौकिक शिक्षा का समन्वय किया जाय।

UNIVERSITY QUESTIONS

1. Give a brief account of the organization of education in medieval India.
मध्यकालीन भारत में शिक्षा की व्यवस्था का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner

2. What were the aims and ideals of Muslim education ? How far were they formulated keeping in view the interests of Muslim rulers of India ?
मुस्लिम शिक्षा के उद्देश्य और आदर्श क्या थे ? उनका निर्माण भारत के मुस्लिम शासकों के हितों को कहाँ तक ध्यान में रखकर किया गया था ?
3. Describe briefly the essential features of Muslim education. Which of these would you like to revive in modern India and why ?
मुस्लिम-शिक्षा की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए। आप आधुनिक भारत में इनमें से किन को पुनर्जीवित करना चाहेंगे और क्यों ?
4. Describe briefly the main defects of education prevalent in the medeival period. How far have these defects been removed in the modern education of India ?
मध्यकाल में प्रचलित शिक्षा के मुख्य दोषों की विवेचना कीजिए। भारत की आधुनिक शिक्षा में इन दोषों का निवारण कहाँ तक हुआ है ?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Questions)

1. भारत में मुस्लिम शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य था–
(अ) इस्लाम का प्रसार (ब) आध्यात्मिकता का विकास
(स) चरित्र-निर्माण (द) मेडिकल शिक्षा का प्रसार
2. मुस्लिम काल में प्राथमिक शिक्षा प्रदान की जाती थी–
(अ) मदरसों में (ब) मकतबों में
(स) चरणों में (द) घटकों में
3. मुस्लिम काल में उच्च शिक्षा के प्रमुख केन्द्र थे–
(अ) नालन्दा
(ब) लाहौर, मुल्तान, अजमेर तथा मुर्शिदाबाद के मदरसे
(स) वनस्थली विद्यापीठ (द) विश्वभारती
4. मुस्लिम काल में शिक्षा का प्रारम्भ किस संस्कार द्वारा होता था ?
(अ) बिस्मिल्लाह खानी द्वारा (ब) उपनयन द्वारा
(स) पब्बज्जा द्वारा (द) इनमें से कोई नहीं
5. मुस्लिम काल में राजभाषा थी–
(अ) फारसी (ब) संस्कृत
(स) अंग्रेजी (द) अरबी
6. खानकाहों में शिक्षा प्राप्त करते थे–
(अ) राजपूतों के बच्चे (ब) मुसलमानों के बालक
(स) अंग्रेजों के बच्चे
(द) काबुल व कन्धार से आने वाले बच्चे

उत्तर–1. (अ), 2. (ब), 3. (ब), 4. (अ), 5. (अ), 6. (ब)।

Scanned with Cam